भारत सरकार

योजना मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4169

दिनांक 26.03.2025 को उत्तर देने के लिए

गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे लोग

4169. **श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे:**

क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आज की तारीख तक, विगत तीन वर्षों के दौरान देश में, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, राज्यवार और वर्षवार कितने लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है;

(ख) आज की तारीख तक, लगभग कितने लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे हैं;

(ग) क्या सरकार का गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले लोगों के लिए कोई योजना बनाकर उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं
राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (ङ) 2021 में, भारत सरकार ने गरीबी के आकलन हेतु बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) नाम से एक व्यापक सूचकांक विकसित किया जो 12 संकेतकों को शामिल करते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर जैसे आयामों में अतिव्यापी अभावों को दर्शाता है। यह कितने लोग गरीब हैं और वे किस हद तक वंचित हैं, दोनों का आकलन करता है। सूचकांक का दूसरा संस्करण 2023 में जारी किया गया था। नीति आयोग द्वारा जारी राष्ट्रीय एमपीआई रिपोर्ट, 2023 के अनुसार, वर्ष 2015-16 और 2019-21 के बीच बहुआयामी गरीबी में जनसंख्या का अनुपात 24.85% से घटकर 14.96% हो गया, जो दर्शाता है कि इस अवधि के दौरान लगभग 135.5 मिलियन लोग गरीबी से मुक्त हुए। सबसे तीव्र गिरावट ग्रामीण क्षेत्रों के बहुआयामी गरीब लोगों की प्रतिशतता में दर्ज की गई जो 2015-16 के 32.59% से गिरकर 2019-21 में 19.28% पर आ पहुँची। एमपीआई का राज्य/संघ

राज्य क्षेत्र-वार एवं सेक्टर-वार विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है और इन्हें https://www.niti.gov.in/sites/default/files/2023-08/India-National-Multidimentional-Poverty-Index-2023.pdf पर देखा जा सकता है।

सरकार ने बहुआयामी गरीबी कम करने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं जिनमें अन्य योजनाओं के साथ-साथ सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई), प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम पोषण), प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्या), पीएम उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम), जल जीवन मिशन (जेजेएम), प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई), प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), पीएम विश्वकर्मा आदि शामिल हैं।

*****